लखनऊ, मंगलवार
13 जनवरी, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18+4=22

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

बैंकों का असुरक्षित कर्ज बढ़कर 46.90 लाख करोड़ रुपये हुआ 15

फिर शर्मसार हुआ बांग्लादेश, आइसीसी ने नए दावों को किया खारिज 16

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की एनएचएआइ की परियोजनाओं की जिलेवार समीक्षा

भूमि अधिग्रहण में न हो बिचौलियों का हस्तक्षेप

- कहा-अधिग्रहण के लिए किसानों से सीधे संवाद करें
- अपरिहार्य होने पर ही वृक्षों को काटें, अधिक पौधारोपण करें
- परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करें

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास प्रदेश की अनिवार्य आवश्यकता है, लेकिन यह पर्यावरण की कीमत पर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों में सीधे किसानों से संवाद स्थापित करने का निर्देश दिया। भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों में उन्होंने किसी भी स्थिति में बिचौलियों को हस्तक्षेप का अवसर न देने की हिदायत दी ताकि किसानों के हित सुरक्षित रहें और परियोजनाएं पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ें।

सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) की सड़क परियोजनाओं की जिलेवार समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजनाएं प्रदेश के आर्थिक विकास, औद्योगिक विस्तार और आमजन की सुविधा से सीधे जुड़ी हैं। सड़क परियोजनाओं का काम गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए जिससे राज्य में सुदृढ़ कनेक्टिविटी के माध्यम से विकास को नई गति मिल सके। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहना चाहिए। किसी भी परियोजना में अपरिहार्य स्थिति में ही वृक्षों की कटान की जाए और जितने वृक्ष कटें, उससे अधिक संख्या में पौधारोपण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एनएचएआइ के स्थानीय अधिकारियों व जिला प्रशासन के बीच बेहतर, सतत् और प्रभावी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। कहा कि डीएम एनएचएआइ परियोजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा करें। कोई दिक्कत हो तो उसे मुख्य सचिव की सोमवारीय बैठक में प्रस्तुत कर निस्तारण किया जाए। मुख्य सचिव पाक्षिक समीक्षा करेंगे।

पैटर्न की पहचान से महामारी पर ब्रेक लगाएगा एआइ

ग्लोबल एआइ इंपैक्ट सम्मेलन-2026 के अंतर्गत यूपी एआइ और स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम में स्टाल का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद • सूचना विभाग

'एआइ इन ट्रांसफार्मिंग हेल्थकेयर' कान्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा, महामारी के पनपने से पहले ही उसकी रोकथाम हो सकेगी

लखनऊ को एआइ सिटी बनाने, एआइ मिशन के लिए दो हजार करोड़ रुपये

योगी ने कहा कि लखनऊ को एआइ सिटी बनाने, एआइ मिशन पर दो हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। कहा कि प्रदेश में आठ सेंटर आफ एक्सिलेंस बनाए जाएंगे। 16-20 फरवरी के बीच दिल्ली में प्रस्तावित एआइ ग्लोबल समिट से पहले यह समिट हो रही है।

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की असीम संभावनाएं देश-विदेश के विशेषज्ञों ने 'एआइ इन ट्रांसफार्मिंग हेल्थकेयर' कान्फ्रेंस में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिये बताईं। चिकित्सा क्षेत्र को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एआइ बीमारियों के पैटर्न का विश्लेषण कर महामारी का पूर्वानुमान लगा लेगा। संवेदनशील क्षेत्रों का सर्विलांस आसान होगा। इससे महामारी के पनपने से पहले रोकथाम हो सकेगी। कैंसर, टीबी, लिवर व किडनी समेत अन्य अंगों की गंभीर बीमारियों की जांच, इलाज व सर्जरी ज्यादा प्रभावशाली तरीके से संभव होगी। उन्होंने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदेश के कई जिलों में वर्चुअल आइसीयू शुरू की गई। संबंधित खबर » 12